

दीक्षालय प्रवाह

RNI number-upmul-2023/88378

वर्ष : 04 अंक : 97 कानपुर, 23 सितम्बर, 2026 पेज-8 मूल्य : 3 रुपये

> पढ़ें पेज 2 पर

मिलेट्स महोत्सव : सीएसए विश्वविद्यालय में किसानों को श्रीअन्न की खेती और प्रसंस्करण की दी गई जानकारी



(संवाददाता दीक्षालय प्रवाह)

कानपुर। नगर के चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय स्थित कैलाश भवन सभागार में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं पोषण मिशन और उत्तर प्रदेश मिलेट्स पुनरोद्धार योजना के तहत जनपद स्तरीय मिलेट्स महोत्सव एवं मिलेट्स रेसिपी कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता मुख्य विकास अधिकारी ने की और मुख्य अतिथि सांसद रमेश

अवस्थी रहे। महोत्सव में कृषि, मृदा परीक्षण, जैविक खेती व एफपीओ से संबंधित स्टॉल लगाए गए, जहाँ वैज्ञानिकों और अधिकारियों ने किसानों को कम लागत में मिलेट्स (ज्वार, बाजरा, रागी आदि) का उत्पादन बढ़ाने, उन्नत तकनीकों, संतुलित उर्वरक प्रयोग और विश्वविद्यालय में स्थापित प्रसंस्करण इकाई का लाभ उठाकर आय में वृद्धि करने के गुर सिखाए।

दैनिक जागरण 23/09/2026

लखीमपुर-हरदोई के कालेजों में फिर लगेंगी कक्षाएं

जागरण संवाददाता, कानपुर : चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) से संबद्ध लखीमपुर और हरदोई के कालेजों में करीब तीन साल बाद इस सत्र से फिर छात्राओं की कक्षाएं लगेंगी। महिला शिक्षकों की कमी और छात्रावास की व्यवस्था नहीं होने के कारण अब तक इन कालेजों में प्रवेश लेने वाली छात्राओं की कक्षाएं सीएसए के मुख्य परिसर में संचालित होती थीं। विश्वविद्यालय प्रशासन ने अब दोनों कालेजों में संविदा पर दो-दो महिला शिक्षिकाओं की नियुक्ति की है।

दोनों कालेजों में वर्तमान में करीब 50 छात्राएं हैं, जो सीएसए के मुख्य परिसर में अध्ययन कर रही

- महिला शिक्षकों की कमी से छात्राएं सीएसए के मुख्य परिसर में पढ़ती हैं

- अब दोनों ही संस्थानों में दो-दो महिला शिक्षिकाओं की गई है तैनाती

3 साल बाद बीएससी कृषि की पढ़ाई अपने परिसर में ही करेंगी छात्राएं

चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय ● सीएसए

हैं। नई व्यवस्था के तहत इस सत्र में प्रवेश लेने वाली छात्राओं की कक्षाएं संबंधित कालेजों में ही संचालित की जाएंगी। महिला शिक्षिकाओं को छात्राओं की शैक्षणिक गतिविधियों के साथ उनकी सुरक्षा और महिला छात्रावासों की देखरेख की जिम्मेदारी



भी सौंपी जाएगी। कुलपति डा. संजीव गुप्ता ने बताया कि विश्वविद्यालय से संबद्ध कालेजों में शिक्षकों की कमी एक प्रमुख चुनौती है। उपलब्ध संसाधनों के अनुसार शिक्षकों की तैनाती व शैक्षणिक व्यवस्था को बेहतर करने के प्रयास कर रहे हैं।

गुल
के आ
व गणेश
जय यादव
जागरण

मिलेट्स की खेती से खुलेगी तरक्की की राह

जासं, कानपुर: राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं पोषण मिशन व मिलेट्स पुनरोद्धार योजना के तहत चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कैलाश भवन सभागार में जनपद स्तरीय मिलेट्स महोत्सव एवं मिलेट्स रेसिपी कार्यक्रम हुआ। महोत्सव में किसानों ने कृषि साहित्य प्राप्त कर विशेषज्ञों से उन्नत खेती और प्रसंस्करण की जानकारी ली।

मुख्य अतिथि सांसद रमेश अवस्थी ने कहा कि श्रीअन्न की बढ़ती मांग किसानों के लिए तरक्की की राह खोलेगा। कुलपति डा.संजीव गुप्ता ने तिलहन, दलहन और श्रीअन्न की खेती बढ़ाने पर जोर दिया। सीडीओ अभिनव जे.जैन ने कहा कि कम लागत, बेहतर मूल्य, प्रसंस्करण और विपणन के माध्यम से मिलेट्स किसानों की आय बढ़ाने का सशक्त माध्यम बन सकते हैं। उप कृषि निदेशक डा. आर.एस. वर्मा ने विभागीय योजनाओं की जानकारी दी। संचालन शिव आसरे पाण्डेय ने किया। कार्यक्रम में सभागार में लगे एसी खराब हो गए। जिससे सैकड़ों लोगों की मौजूदगी में उमस से बैठना मुश्किल हो गया। बाद में किराए पर कूलर मंगाए गए।

श्रीअन्न, मिलेट्स की मांग बढ़ने से किसानों की आय होगी दोगुनी



मेले का फीता काटकर शुभारम्भ करते सांसद रमेश अवस्थी व अन्य।

कानपुर, 22 सितम्बर। सीएसए के कृषि विभाग की ओर से राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं पोषण मिशन योजनान्तर्गत जनपद स्तरीय मिलेट्स महोत्सव कैलाश भवन, सभागार में मुख्य विकास अधिकारी अभिनव जे. जैन की अध्यक्षता में किया गया। किसान मेले का फीता काटकर शुभारंभ करते हुए मुख्य अतिथि सांसद रमेश अवस्थी ने कहा कि पीएम मोदी की प्राथमिकता है कि किसानों, युवाओं, मातृ शक्ति एवं गरीबों की प्रगति हो। इसके लिये उनके प्रयासों का परिणाम है कि श्रीअन्न, मिलेट्स को वैश्विक स्तर पर पहचान मिली

जिस कारण हमने 90 हजार टन का निर्यात किया गया है। भविष्य में श्रीअन्न, मिलेट्स की मांग बढ़ेगी इसलिये किसानों को इस उत्पादन बढ़ाने की आवश्यकता है जिससे किसानों को अपनी फसल का अज्छा मूल्य प्राप्त हो सके। किसान मेले में कृषि (बीज, कृषि रक्षा, मृदा परीक्षण), उद्यान, एफपीओ, जैविक खेती आदि पब्लिक व प्राइवेट सेक्टर के स्टाल लगाये गये। गोष्ठी में जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आये कृषकों ने साहित्य प्राप्त कर तकनीकी जानकारी प्राप्त की। सीएसए के कुलपति

डा. संजीव गुप्ता ने कहा कि देश को खाद्यान्न में आत्मनिर्भर बनाने में हम श्रीअन्न, मिलेट्स की फसलों में पीछे छूट गये। गोष्ठी में वैज्ञानिक डा. अखिलेश मिश्रा, डाय रामजी गुप्ता, डा. सीमा सोनकर, डा. वी. के. त्रिपाठी, डा. साधना वैश, उप कृषि निदेशक डा. आर.एस. वर्मा, एवं डा. विनोद प्रकाश एवं डा. महक सिंह आदि ने कृषकों को मिलेट्स एवं दलहन की कृषि की नवीनतम कृषि तकनीकी की जानकारी दी और कृषकों की उठायी गयी कृषि तकनीकी समस्याओं का समाधान भी किया। संचालन शिव आसरे पाण्डेय ने किया।

हिंदुस्तान 23/09/2026

मिलेट्स महोत्सव में अलसी और ज्वार के लड्डू की धूम

कानपुर, प्रमुख संवाददाता। मिलेट्स का पैदावार बढ़ाकर किसानों की आय को बढ़ाया जा सकता है। श्रीअन्न/मिलेट्स को वैश्विक स्तर पर पहचान मिलने से इसके निर्यात को भी बढ़ावा मिला है। भविष्य में मिलेट्स की मांग बढ़ने की संभावना है, इसलिए किसानों को इसकी पैदावार बढ़ाने की आवश्यकता है, जिससे उन्हें अपनी उपज का बेहतर मूल्य मिल सके। ये बातें मिलेट्स महोत्सव के शुभारंभ पर मुख्य अतिथि सांसद रमेश अवस्थी ने कहीं।

चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कैलाश भवन में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं पोषण मिशन योजनान्तर्गत जिला स्तरीय मिलेट्स महोत्सव एवं उत्तर प्रदेश मिलेट्स पुनरोद्धार योजनान्तर्गत मिलेट्स रेसिपी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सीएसए के कुलपति डॉ. संजीव गुप्ता ने कहा कि खाद्यान्न के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के साथ अब तिलहन, दलहन एवं श्रीअन्न की फसलों पर भी विशेष ध्यान देने की

एसी नहीं चला, आधी कुर्सियां रहीं खाली

कैलाश भवन का एसी न चलने से किसान बेहाल हो गए। पूरे महोत्सव के दौरान किसान पसीना पोछते नजर आए। कैलाश भवन की आधी कुर्सियां खाली थी। महोत्सव में कृषि विभाग और समूहों ने अपने अपने कैम्प लगाए। इसमें मिलेट्स से बने उत्पादों की बिक्री की गई। बीजों को प्रदर्शित किया गया। श्रीअन्न की खेती और प्रसंस्करण की किसानों को जानकारी दी गई।

आवश्यकता है। मुख्य विकास अधिकारी अभिनव जे जैन ने कहा कि कम लागत में मिलेट्स की पैदावार कर किसान बेहतर आय प्राप्त कर सकते हैं। संयुक्त कृषि निदेशक, कानपुर मंडल धर्मेन्द्र कुमार ने कहा कि किसान प्रतिबंधित कृषि रक्षा रसायनों का प्रयोग न करें। उप कृषि निदेशक डॉ. आरएस वर्मा, वैज्ञानिक डॉ. अखिलेश मिश्रा, डॉ. रामजी गुप्ता, डॉ. सीमा रहीं।



जिला स्तरीय मिलेट्स महोत्सव में शामिल हुए सांसद रमेश अवस्थी।

उनकी पहली तैनाती देवरिया में गमाई गई।
है।
में उन्हें मथुरा में अपर नगर आयुक्त बनाया गया। (ब्यूरो)

श्रीअन्न किसानों की आय बढ़ाने का जरिया

कानपुर। मिलेट्स यानी श्रीअन्न की खेती किसानों की आय बढ़ाने का जरिया बन सकती है। यह बात रविवार को सीएसए के कैलाश भवन सभागार में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं पोषण मिशन और उत्तर प्रदेश मिलेट्स पुनरोद्धार योजना के तहत आयोजित महोत्सव में सांसद रमेश अवस्थी ने कही। यहां श्री अन्न के बीज, खाद, दवाओं के स्टॉल भी लगाए गए जिसका सांसद ने निरीक्षण कर जानकारी ली। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि मिलेट्स को किसान, पोषण और व्यापार तीनों स्तरों से देखने की जरूरत है। यहां संयुक्त कृषि निदेशक धर्मेन्द्र कुमार, कृषि उपनिदेशक आरएस वर्मा, कृषि अधिकारी अरुणेश प्रताप सिंह समेत अन्य मौजूद रहे। (ब्यूरो)